E-Learning Study Material

By Prof (Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
V.K.S. UNIVERSITY, ARA, BIHAR

BA Part 1st Economics Hons
Paper 1st

Highly Elastic Demand :-
(अधिक लोचदार माँग)

रेखा चित्र

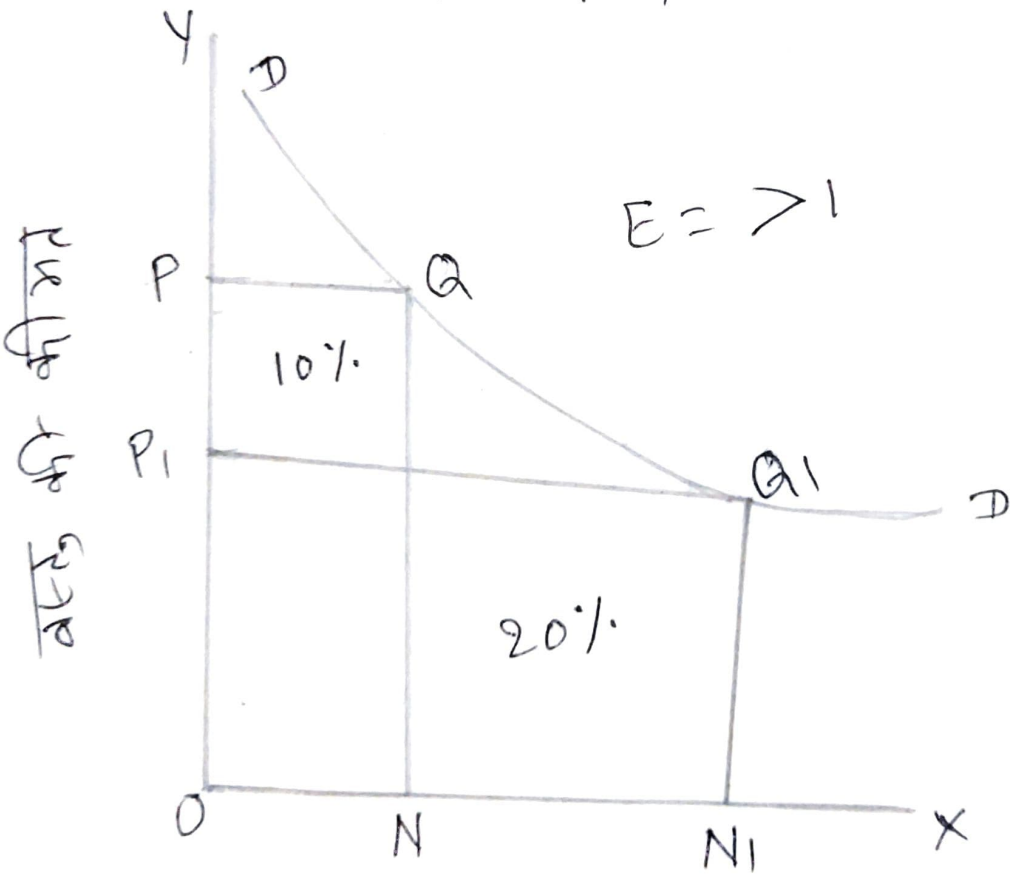


उपरोक्त रेखा चित्र में DD माँग वक्र अधिक लोचदार माँग को प्रदर्शित करता है।

जब वस्तु की कीमत OP है तब वस्तु की माँग ON है। जब कीमत OP से घटकर $OP_1$ होती है तो माँग ON से बढ़ कर $ON_1$ हो जाती है। संक्षेप में कीमत में होने वाला परिवर्तन $P_1P$ की तुलना में माँग में होने वाला परिवर्तन $NN_1$ अधिक है। इस प्रकार DD वक्र में प्रथम लाभ बिन्दु Q अपने स्थान से हट कर $Q_1$ पर पहुँच जाता है। इसको हम $E => 1$ कह सकते हैं।

(iii) इकाई के बराबर माँग की लोच (Unitary Elastic Demand) :- यदि किसी वस्तु की कीमत में होने वाला आनुपातिक परिवर्तन उस वस्तु की माँग के आनुपातिक परिवर्तन के बराबर है, तो ऐसी वस्तु की लोच इकाई के बराबर होगी। उदाहरण के लिए, वस्तु की कीमत में 10 प्रतिशत का परिवर्तन होने पर माँग में भी 10 प्रतिशत का परिवर्तन होता है, तो माँग की लोच इकाई के बराबर होती है। इस धारणा को निम्न रेखा-चित्र के द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है :-

रेखा-चित्र

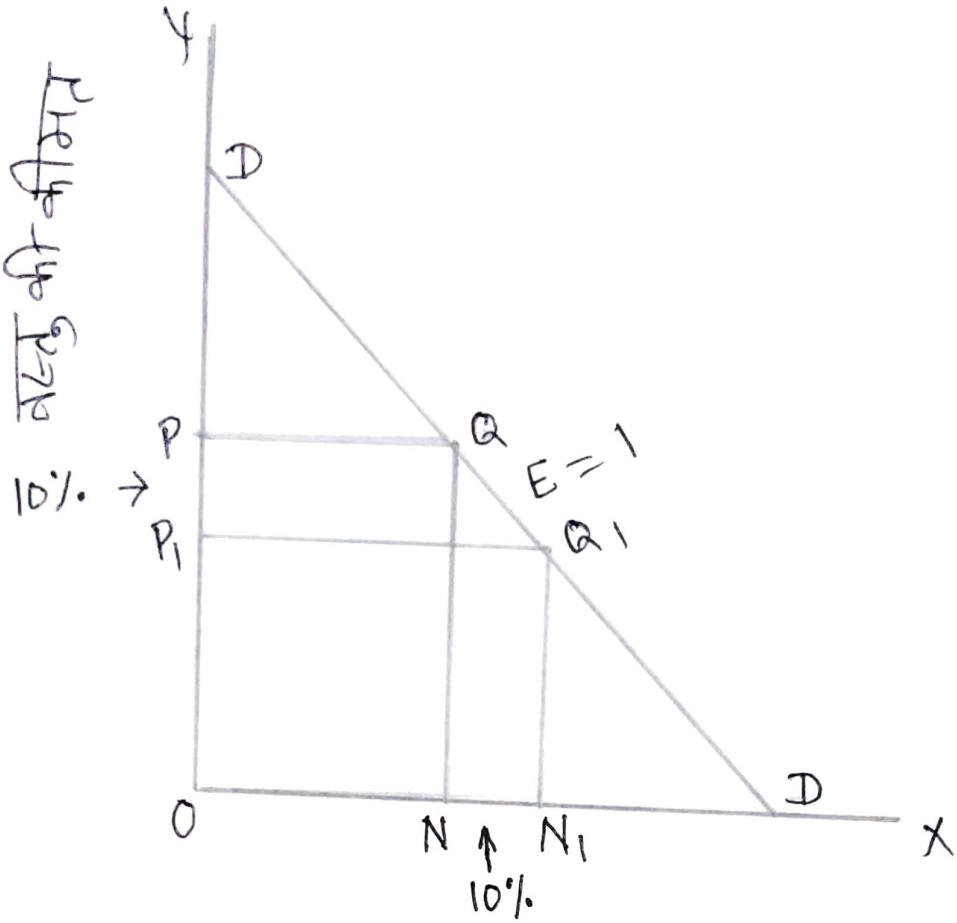


प्रस्तुत रेखा-चित्र में OP कीमत पर वस्तु की माँग ON है। जब कीमत OP से गिरकर $OP_1$ होती है तब वस्तु की माँग ON से बढ़कर $ON_1$ हो जाती है अर्थात् यहाँ कीमत में होने वाली कमी को $P_1P$ से दिखाया गया है, जबकि माँग में होने वाली वृद्धि $NN_1$ से दिखाया गया है। रेखाचित्र में $PP_1$ बराबर है $NN_1$ के। अर्थात जिस अनुपात में कमी आती है, ठीक उसी अनुपात में माँग में वृद्धि भी होती है। यहाँ माँग और कीमत का अनुपात समान है। इसी स्थिति को हम इकाई के बराबर माँग की लोच कहते हैं। दूसरे शब्दों में, इसे $E = 1$ कहते हैं।